भारत सरकार

खान मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2026

दिनांक 21.03.2022 को उत्तर देने के लिए

खनन क्षेत्र में संवृद्धि

2026. श्री जी.सी. चन्द्रशेखर:

डा. एल. हनुमंतय्या :

श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गोवा और कर्नाटक सरीखे राज्यों में खनन गतिविधियों में व्यवधान पड़ने तथा उनके बंद हो जाने का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में खनन क्षेत्र के अंश में गिरावट पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है और, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2016 से अब तक खनन उद्योग की वार्षिक संवृद्धि दर कितनी है;

(ग) क्या नीति आयोग की स्ट्रेटजी फॉर न्यू इंडिया@ 75 रिपोर्ट, 2019 के अनुसार सरकार ने वर्ष 2017-18 में खनन क्षेत्र की संवृद्धि दर 3 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2022 में 14 प्रतिशत करने का अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) से (घ): राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में खनन क्षेत्र के हिस्से पर गोवा और कर्नाटक में खनन कार्यकलापों के प्रभाव का आकलन अनुबंध-I में दिया गया है। न्यू इंडिया @ 75 रिपोर्ट 2019 के लिए नीति आयोग की रणनीति के अनुसार, "2018 -23 के दौरान 8.5 प्रतिशत की औसत वृद्धि के साथ 2017-18 में खनन क्षेत्र 3 प्रतिशत की वृद्धि को बढ़ाकर 14 प्रतिशत करना" उद्देश्य था।" खनन और उत्खनन क्षेत्र द्वारा वर्ष-वार सकल वर्धित मूल्य (जीवीए) और 2016-17 से प्रतिशत वृद्धि अनुबंध-II की तालिका में दी गई है।

*****

<u>अनुबंध-I</u>

'खनन क्षेत्र की संवृद्धि' के संबंध में दिनांक **21.03.2022** के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं **2026** के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

2014-15 से देश के सकल घरेलू उत्पाद में खनिज संरक्षण और विकास नियम (एमसीडीआर) की सीमा के अधीन धात्विक और गैर-धात्विक खनिजों के जीवीए का प्रतिशत अंश नीचे दिया गया है:

वर्ष	सकल घरेलू उत्पाद में अंशदान (%)
2014-15	0.53
2015-16	0.51
2016-17	0.58
2017-18	0.52
2018-19	0.47
2019-20	0.45

नोट: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी में दिए गए विवरण 8.5 (खनन और उत्खनन से उत्पादन और वर्धित मूल्य) से परिकलित। 2020-21 के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं।

गोवा और कर्नाटक राज्यों में खनन कार्यकलापों में प्रभाव के संबंध में उल्लेख किया जाता है कि देश के एमसीडीआर खनिजों के उत्पादन के कुल मूल्य में गोवा में एमसीडीआर खनिजों के उत्पादन के मूल्य का प्रतिशत हिस्सा पहले से ही काफी कम था, वर्ष 2017-18 में 2.1% था। 2018-19 के बाद से, यह आंकड़ा नगण्य रहा है। कर्नाटक के मामले में, राज्य का प्रतिशत हिस्सा जो 2017-18 में 14.5% था, 2018-19 में घटकर 11.5% और 2019-20 में 10.5% हो गया। कर्नाटक में एमसीडीआर खनिजों के उत्पादन का मूल्य 2017-18 में 8,681 करोड़ रुपये से घटकर 2018-19 में 8,479 करोड़ रुपये और 2019-20 में 8,129 करोड़ रुपये हो गया था। तथापि, कर्नाटक राज्य में एमसीडीआर खनिजों के उत्पादन का मूल्य 2020-21 में बढ़कर 9,922 करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें देश के एमसीडीआर खनिज उत्पादन के कुल मूल्य में प्रतिशत योगदान में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अनुबंध-**II**

'खनन क्षेत्र की संवृद्धि' के संबंध में दिनांक **21.03.2022** के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं **2026** के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

तालिका: स्थिर कीमतों पर 2016-17 से खनन और उत्खनन क्षेत्र में जीवीए।

वर्ष	जीवीए (करोड़ रु.)	वृद्धि (%)
2016-17	3,49,248	9.84
2017-18	3,29,612	-5.62
2018-19	3,26,815	-0.85
2019-20	3,21,766	-1.54
2020-21	2,94,024	-8.62
2021-22 (दूसरा अग्रिम अनुमान)	3,30,945	12.56

एई: अग्रिम अनुमान; स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय